



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 203]

नई दिल्ली, भारताचार, विसम्बर 11, 1982/अग्रहायण 20, 1904

No. 203] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 11, 1982/AGRAHAYANA 20, 1904

इस भाग में भिन्न वृक्ष संरक्षा वी जाती है जिससे कि यह असाधारण संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Filing is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कागिक प्रकाशन

आयात आपार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 58/82

नई दिल्ली, 11, विसम्बर, 1982

विषय :—वैध आयात लाइसेंसों के मध्ये प्रतियोगात्मक मूल्य पर देसी माल की आपूर्ति

लिंग सं. जाई पो० सी० 4/मि० सं० 36/82-83 (पाई०) .—वैध
आयात लाइसेंसों के मध्ये प्रतियोगात्मक मूल्य पर देसी माल की आपूर्ति
के लिए एक नई योजना आगमन की गई है।

2. प्रारम्भ में, यह योजना भारतीय इस्पात प्राधिकारण लिंग, धातु एवं व्यापार नियम लिंग, के माध्यम से आयात के लिए यथा मार्गीबद्ध 1982-83 के लिए आयात नीति के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यापारियों की इस्पात मर्दों के लिए आगू होगी :—

(1) कार्बन स्टील हाट राल्ड कार्यालय/स्ट्रिम्स ;

(2) कार्बन स्टील भी० आर०/सी०आर० सी० ए० शोट्स/कार्यालय जोकि
आई एम० 513 प्रेस 'ओ' की 0.8 एम० प्रम०, 0.63
एम०प्रम० 1.00 एम०प्रम०, 1.25 एम०प्रम०; और 1.60
एम०प्रम० की मोटाई बाली विशिष्टकृत के अनुसार है ;

(3) कोल्ड राल्ड जंगावरोधी/ताप रोधक स्टील कार्यालय/शोट्स ।

3. योजना निम्नलिखित व्यापारियों की आयात लाइसेंसों के लिए आगू होगी जबकि वे उनसे संबंधित नीति के अन्तर्गत उत्तिष्ठित मर्दों के आयात के लिए वैध हो :—

(1) पंजीकृत नियमितों के लिए आयात नीति के अन्तर्गत नियमितों के मध्ये, इस सार्वजनिक सूचना के जारी होने पर आयात इसके पश्चात जारी किए गए आयात प्रतिसूचित (आर०ह०पी०) लाइसेंस जिसमें आयात नीति के परिवर्णन-29 के अधीन कर मुक्त आयातों के लाभ भी शामिल हैं।

(2) आयात नीति के परिवर्णन-19 के अधीन कर कूट भाजपा के अन्तर्गत जारी किए गए प्रतिम लाइसेंस।

(3) पंजीकृत नियमितों के लिए आयात नीति के अधीन जरी किए गए प्रतिम लाइसेंस।

(4) आपार सदरों को जारी किए गए असिरिक लाइसेंस।

(5) इस सार्वजनिक सूचना के जारी होने पर या इसके पश्चात जारी किए गए प्रार०ह०पी० लाइसेंस तबा आयात नीति की कीडिका 138 के अधीन जो उपचीत में है।

(6) 1982-83 के लिए आयात एवं नियमित नीति (जिल्द-1) की कीडिका 32(3), 34(1) और (2), 37 (2) और 38 के अन्तर्गत आगे वाले वास्तविक उपचीत लाइसेंस।

4. उपर्युक्त कंडिका-3 में क्रम सं० (2), (3) और (4) पर उल्लिखित आयात लाइसेंस जारी वे 1982-83 के बोगतन पहले जारी किए गए हैं, इस योजना के प्रत्यक्षत आपेक्षित बशर्ते कि वे उपर्युक्त कंडिका-2 में भी गई मदों के आयात के लिए वैध हैं।

उपर्युक्त कंडिका-3 में क्रम सं० (1) और (5) के प्रत्यक्षत आपेक्षित आयात लाइसेंस इस योजना के अन्तर्गत आपेक्षित बशर्ते कि वे उपर्युक्त कंडिका-2 में भी गई मदों के आयात के लिए वैध हों और इस मार्गेजनिक सूचना की तिथि को या इसके बाद जारी किए गए हों।

उपर्युक्त कंडिका-3 में क्रम सं० (6) पर उल्लिखित वास्तविक उपयोगता लाइसेंसों के मामले में यह योजना केवल उन्ही लाइसेंसों के लिए लागू होती जो 1982-83 के लिए आयात नीति के अन्तर्गत जारी किए गए हैं और उपर्युक्त कंडिका-2 में भी गई मदों के आयात के लिए वैध हैं।

5. इस योजना के प्रत्यक्षत आपेक्षित बाले आयात लाइसेंस उन मदों के सीधे आयात के लिए वैध नही माने जाएंगे जिनके लिए यह योजना लागू है, किन्तु इसमें इस सार्वजनिक सूचना की तिथि से पूर्व पहले ही खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय सापेक्षताओं की सीमा तक छूट होती है। इन मदों के छच्छुक संबंधित लाइसेंस-धारक अपने वैध आयात लाइसेंसों के मद्दे संबंधित मदों का समर्गण प्राप्त करते के लिए कानूनकाश, बंदई, मद्रास या विली में भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि० के किसी भी क्षेत्रीय कार्यालय से संपर्क करें।

6. भारतीय इस्पात प्राधिकरण उस प्रतियोगी कीमत पर लाइसेंस के प्रत्यक्षत आपेक्षित बाले सीमा तक माल का सम्पर्क करेगा, जो इस प्रयोजन के लिए वैमानिक आधार पर तिथीरित की जाएगी। आयात लाइसेंस संभवित माल की मात्रा और लाइसेंस-धारा मूल्य की सीमा तक भारतीय इस्पात प्राधिकरण द्वारा नामे डाला जाएगा। भारतीय इस्पात प्राधिकरण द्वारा वसूल किया गया मूल्य (सीमा-शुल्क कर को छोड़ कर) लाइसेंस के नामे डालने के प्रदोजनार्थ माल के लागत-भीमा-धारा मूल्य के रूप में समझा जाएगा।

7. भारतीय इस्पात प्राधिकरण से संपर्क हरने समय, लाइसेंस धारक को व्यक्तिगत सुपुर्युक्ती के समय का भी संकेत देना आवश्यक, जो किसी भी मामले में लाइसेंस वी वैधता अवधि की समाप्ति के 60 दिनों के भीतर पड़नी चाहिए और उसके बाद नहीं। लेकिन, आयात लाइसेंस भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि० को उसको वैधता प्रवधि के भीतर प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

8. यदि भारतीय इस्पात प्राधिकरण उपर्युक्त न्युयार लाइसेंसधारक द्वारा निर्धारित प्रवधि के भीतर माल की पूर्ण करते में अमर्मर्थ है, तो वह उस माल का विवरण और उसकी नामन-वीमा-धारा मूल्य और मात्रा (यदि लाइसेंस में मात्रा सीमाकारी तत्व के रूप में है) का संकेत बरतें हुए 'भनापनि प्रमाणात्म' जारी करेगा जिसकी पूर्ण करते में अमर्मर्थ रहा है। लाइसेंस प्राधिकारी उस सीमा तक सीधे आयात के लिए लाइसेंस को वैध करते हुए उन पर पुरानांकन करें।

9. इस योजना के प्रत्यक्षत जिन आयात लाइसेंसों के गहे पूर्ति प्राप्त की गई है वे उन पर लगाई गई या उनके लिए नाम अन्य भासी भासी के प्रक्षेत्र होंगे।

10. भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि० आयातकों के भारी-दर्शन के लिए समक्ष समय पर कीमतें और अन्य तिथि-विधियों की घोषणा करेगा।

भणि नारायणस्वामी,
मूल्य नियन्त्रक, आयात-नियन्त्रित
तस्त राम,
संयुक्त मूल्य नियन्त्रक,
आयात-नियन्त्रित

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 58-ITC(PN) '82

New Delhi, the 11th December, 1982

Subject : Supply of indigenous materials at competitive price, against valid import licences.

File No. IPC|4|MISC|36|82-83(pt).—A new scheme has been introduced for supply of indigenous materials at competitive price against valid import licences.

2. To begin with, the scheme shall apply to the following categories of steel items as are canalised for import through Steel Authority of India Ltd., Minerals & Metals Trading Corporation Ltd., under the import policy for 1982-83 :—

- (i) Carbon steel hot rolled coils|strips ;
- (ii) Carbon steel CR|CRCA sheets|coils conforming to specification IS 513 Grade 'O' of thickness 0.8 mm, 0.63 mm, 1.00 mm, 1.25 mm and 1.60 mm ;
- (iii) Cold rolled stainless|heat resisting steel coils|sheets.

3. The scheme shall apply to the following categories of import licences provided they are valid for import of the above mentioned items under the policy relevant to them :—

- (i) Import replenishment (REP) licences issued on or after the date of this Public Notice, against exports, under the import policy for Registered Exporters, including those with benefit of duty-free imports under Appendix 29 of import policy.
- (ii) Advance licences issued under Duty Exemption Scheme under Appendix 19 of import policy.
- (iii) Imprest licences issued under the import policy for Registered Exporters.
- (iv) Additional licences issued to Trading Houses.
- (v) REP licences issued on or after the date of this Public Notice, and operating under para 138 of import policy.
- (vi) Actual user licences covered under para 32(3), 34(1) & (2), 37(2) and 38 of Import & Export Policy (Vol. I) for 1982-83.

4. Import licences referred to at S. Nos. (ii), (iii), and (iv) in para 3 above whether issued dur-

ing 1982-83 or earlier will be covered by the scheme, provided they are valid for import of the items mentioned in para 2 above

Import licences under S. Nos. (i) and (v) in para 3 above will be covered by the scheme, provided they are valid for import of items mentioned in para 2 above, and have been issued on or after the date of this Public Notice.

In the case of Actual User licences referred to at (vi) in para 3 above, the scheme will apply only to those issued under the import policy for 1982-83 and valid for import of the items mentioned in para 2 above.

5. Import licences covered by this scheme shall cease to be valid for direct import of items to which the scheme is applicable, except to the extent of irrevocable letters of credit already opened and established before the date of this Public Notice. The concerned licence-holders requiring these items should approach any of the regional offices of the Steel Authority of India Ltd. at Calcutta, Bombay, Madras or Delhi to obtain supplies of the concerned items against their valid import licences.

6. The Steel Authority of India will supply the material upto the extent covered by the licence at competitive price, which be fixed on a quarterly basis for this purpose. The import licence will be debited by Steel Authority of India to the extent of the quantity and c.i.f. value of the goods supplied. The value charged by Steel Authority of India (excluding customs duty) will be treated as the c.i.f. value of the goods for the purpose of debit to the licence.

7. While approaching the Steel Authority of India, the licence-holder should also indicate the time of delivery desired, which should, in any case, lie within the validity period of the licence or within 60 days of the expiry of the validity period of the licence, and not beyond. The import licence should, however, be presented to the Steel Authority of India Ltd. within its validity period.

8. If the Steel Authority of India is unable to make supplies within the period stipulated by the licence-holder as above, it will issue "No Objection" certificate indicating the description of goods and their CIF value and quantity (if the licence has quantity as the limiting factor), for which it has not been able to make supplies. The licensing authority will endorse the licence making it valid for direct import to that extent.

9. Import licences against which supplies are obtained under this scheme will continue to be subject to all the other conditions imposed on or applicable to them.

10. The Steel Authority of India Ltd., will announce the prices and other procedures from time to time for the guidance of importers.

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller
of Imports & Exports

TAKHAT RAM, Jt. Chief Controller
Imports & Exports

